**Title:** Regarding police atrocities against the MP(s) and MLA(s) and law and order situation in Uttar Pradesh.

**श्री मुलायम सिंह यादव (संभल) :** अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे एक महत्वपूर्ण सवाल पर बोलने के लिए मौका दिया, इसके लिए मैं आपको धन्यवाद देता हूं। माननीय गृह मंत्री जी , माननीय नेताओ को तथा सारे सदन को मालूम हो ही गया होगा जिसके कारण सुबह समाजवादी पार्टी के सदस्योको सदन में बाधा डालनी थी । हम बिल्कुल नहीं चाहते हैं कि हाउस में कोई बाधा डाली जाये। मैं इसके पक्ष में कभी नहीं रहा हूं। लेकिन हमारे साथियों की मजबूरी है कि जब सरकार नहीं सुनती है जैसे उत्तर प्रदेश की सरकार नहीं सुन रही है। मुजफ्फर नगर में एक प्रधान जो दो तारीख को कांधला पुलिस के समक्ष अपनी शिकायत लेकर गया था, उसको थाने में बंद कर दिया।

पुलिस ने वही थाने में मारना शुरु कर दिया। जब वे स्वंय ही पुलिस से शिकायत लेकर आए तो उन्हें बंद कर दिया। जब पुलिस प्रधान ने 3 मई 2000 को जेल में भेजने हेतु फर्जी मुकदमा कोर्ट में पेश किया तो कोर्ट ने जहां यह कहा कि यह फर्जी मामला है, वहीं पुलिस को लताड़ा और बिना जमानत के रिहाकर दिया। इससे यह साबित हो गया कि किस तरह पुलिस ने फर्जी पिटाई भी की, रात भर हेरासमैंट किया और फर्जी मुकदमा बनाया। इसके विरोध में केवल समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता नहीं थे, कांग्रेस के कार्यकर्ता भी थे, बहुजन समाज पार्टी के कार्यकर्ता भी थे। सब ने पुलिस विरोध में धरना दिया। डी.एम. ने प्रतिनिधि के रूम में ए.डी.एम. और एस.डी.एम.को नियुक्त किया और कहा कि किसी तरह जाओ और विवाद को खत्म कराओ। ए.डी.एम.और एस.डी.एम. ने कहा कि आपका प्रतिनिधिमंडल आ जाए। उस प्रतिनिधिमंडल में सांसद चौधरी मुनव्वर हसन और विधायक श्री संजय चौहान, विधायक श्री जगतपाल सिंह, भूतपूर्व विधायक श्री हरेन्द्र मलिक, भूतपूर्व विधायक श्री रतन लाल प्वार, कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष श्री श्रीपाल शर्मा, समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष कर्णपाल कश्यप और बहुजन समाज पार्टी के ब्लाक अध्यक्ष का नाम मैं भूल रहा हूं, ठा.चमन सिंह जी, बार एसोसिएशन के भूतपूर्व अध्यक्ष श्री प्रमोद त्यागी और ठाकुर भूप सिंह थे। सभी मिल कर ए.डी.एम. और एस.डी.एम. के बुलाने पर थाने गए। ए.डी.एम. और एस.डी.एम. ने रास्ता निकाला कि हम पुलिस के खिलाफ मुकदमा रजिस्टर कराएंगे, और स्थानान्तरण करा देंगे और जांच कराने पर दोषी पाए जाने पर मुअत्तिल भी करेंगे। वहां डिप्टी एस.पी.और इंसपैक्टर इन बातों को सुन रहे थे। जैसे वे निकले और विवाद समाप्त हो गया। इसके बाद मुसलमानो का नाम लेकर गालियां और साम्प्रदायिकता की गालियां देकर सभी नेताओ को मारना शुरु कर दिया। आपको जान कर ताज्जुब होगा कि जब वे अपनी जान बचा कर थाने की दीवार कूदे तो पीछे से बंदूक के कुंद और लाठियां मारी और सीधी हत्फाया की नियत से नेताओ पर फायरिंग भी कर दी। वे किसी तरह बचे। कूदने पर उनकी पीठ पर लाठियां मारीं। किसी के कपड़े फटे, कोई सिर के बल गिरा। वे किसी तरह तरह जान बचा पाये। मैने पहले कहा कि उसमें समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता ही नहीं थे, कांग्रेस पार्टी और बहुजन समाज पार्टी के कार्यकर्ता भी थे। वे सब मिल कर दीवार फांद कर किसी तरह जान बचाकर आए। थाने के सामने का फाटक बंद था। बाहर पी.ए.सी. पुलिस ने जनता को मारना शुरु कर दिया। जो पुलिस विरोध में शांतिपूर्ण धरनापर बैठे थे । नतीजा यह हुआ कि कई लोगों का फ्रैक्चर हो गया, कइयों को गम्भीर चोटे लगीं। इसके बाद जितने लोगों को रात में खदेड़ सकते थे, खदेड़ा। गांव और गली में जहां कोई मिला, उसे लूट लिया। आतंक का वातावरण मुजफ्फरनगर में पैदा कर दिया। उत्तर प्रदेश की सरकार सुन नहीं रही है। राज्य सभा का सदस्य और विधायक पिटना शुरु हो जाएंगे तो पता नहीं आम जनता का क्या होगा? एक परम्परा थी कि जब कोई सांसद या विधायक चाहे वह किसी भी दल का हो, उसके साथ कोई ऐसा अपमान जनक व्यवहार तो होता था तो उसमें सारा सदन एक होता था। हम गृह मंत्री जी को उदाहरण देकर बताना चाहते हैं कि कई बार उनके दल के विधायक ने मेरे मुख्यमंत्री रहते दो बार शिकायत की तो मैंने उसी समय कहा कि किसी को बोलने की आवश्यकता नहीं है, जो विधायक कह रहा है वह सच है। मैंने उसी समय विधायक के कथनानुसार कार्रवाई शुरु कर दी। मैंने कहा कि वे ऐसी कोई असत्य बात नहीं कह रहे हैं। मैंने तुरन्त कारवाई की। जब हम सब नेता इकट्ठे होकर ऐसी बात कहते हैं तो पुलिस के खिलाफ गंभीर कार्रवाई होनी चाहिए। हमारा भी जनता के बीच सम्मान है। हम सदन के सामने कभी गलत तथ्य नहीं रखेंगे। मुझे खुशी है कि गृह मत्री जी यहां हैं। हम सीधे यह चाहते हैं कि कोई रास्ता निकाला जाए। उन्हें मुअत्तिल किया जाए और मुकदमा दर्ज कर दोषी पुलिसकर्मियो को जेल भेजा जाए। गृह मंत्री या संसदीय कार्य मंत्री यदि यह कहेंगे कि उत्तर प्रदेश सरकार उनके अधिकतर क्षेत्र से बाहर है तथा यह प्रदेश सरकार का मानता है तो यह कहना ठीक नहीं होगा। मुख्यमंत्री और उनकी सरकार के लिए यह कह दें कि वह संवैधानिक रूप से हमारे दायरे से बाहर है लेकिन वह असलियत में उनके दायरे से बाहर नहीं है। आप चाहेंगे तो आज ही मुख्यमंत्री तक को पद से हटा देंगे। यह बहाना करके कि यह राज्य सरकार का विाय है, यह केन्द्र सरकार के दायरे से बाहर है, यदि हमारी सरकार होती तो एक बार हम मान लेते कि आपके अधिक क्षेत्र से बाहर है लेकिन उ.प्र. में भी भाजपा की सरकार है केन्द्र में भी भाजपा की सरकार है । जब जन प्रतिनिधि ही पिटना शुरु हो गएं, आम जनता तो पिट ही रही है, इसलिए हम चाहते हैं कि तत्काल ऐसे अधिकारियों को मुअत्तिल किया जाए, मुकदमा रजिस्टर किया जाए

और अदालत ने साबित कर दिया कि पुलिस ने फर्जी मुकदमा किया था। उन्होंने रिहाकर कर दिया। जब श्री राज बब्बर जी आगरा की पानी की समस्या के लिये गये तो उन पर लाठी चार्ज किया गया, खौलता गर्म पानी फेका गया कपड़े फाड़े गये। यह पुलिस को क्या हो गया है? इसलिये मैं आपसे विशेा निवेदन करूंगा कि माननीय गृह मंत्री जी यहां बैठे हुये हैं, राज्य सरकार को पुलिस कर्मियो के विरूद्ध कार्यवाही हेतु निर्देश दें कि इस मामले में हस्तक्षेप करें और हम लोगो की बात पर िवश्वास करते हुये उन लोगो के विरुद्ध चाहे वह दिल्ली पुलिस हो या मुजफर नगर (उ. प्र.) की पुलिस हो, कार्यवाही करायें, यही आपसे मांग है।

**श्री रामजी लाल सुमन (फिरोजाबाद):** अध्यक्ष महोदय, मैं इस बारे में एक सवाल पूछना चाहता हूं और मेरी आपसे विनम्र प्रार्थना है...

MR. SPEAKER: This is not zero hour. Because it is a special case, I allowed Shri Mulayam Singh. Please understand the situation. You disturbed the proceedings during zero hour and again you are disturbing the proceedings now.

**श्री राज बब्बर (आगरा):** माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपसे विनती करना चाहता हूं....

**अध्यक्ष महोदय:** आपके लिये श्री मुलायम सिंह ने मैंशन कर दिया है।

**श्री राज बब्बर :** अध्यक्ष महोदय, मैं सीधे घटना स्थल से आ रहा हूं। मैं माननीय गृह मंत्री जी से क्षमा चाहता हूं और यह बताना चाहता हूं कि मैं आगरा की पानी की समस्या के लिये तीन पत्र माननीय प्रधानमंत्री जी को लिख चुका हूं और आज आगरा से 20 हजार लोग लाल किले और दिल्ली के आसपास में रहे। उसके बाद जब आंदोलन और धरना देने के लिये गये तो पुलिस ने उन लोगो को मारा। मैं कहना नहीं चाहता कि किस तरह से महिलाओं को मारा और जिस तरह से व्यवहार किया गया, वह कैमरामैन और इलैक्ट्रानिक मीडिया जानता है। वहां एक भी महिला पुलिस नहीं थी। उसके बाद हम लोगों पर लाठियां मारी गई, गर्म पानी हम पर छोड़ा गया। उसके बाद हम लोगों ने कहा कि हम माननीय प्रधानमंत्री जी को मैमोरेंडम देना चाहते हैं। शर्म की बात है कि हमारे चार चार सांसद वहां पर थे, इनमें सर्वश्री अमर सिंह, सुमन जी थे। मुझे पता नहीं कोई काटजू थे, वह महिला थी या पुरुा, ने कहा कि मैमोरेंडम आप दे दीजिये और अध्यक्ष महोदय, इस मैमोरेंडम की हालत यह कर दी है, आप देख लीजिये â€¦( व्यवधान) .. मैं पटल पर रखना चाहता हूं ।

MR. SPEAKER: You should not do like this. Shri Raj Babbar, please take your seat. There is a procedure to follow in the House.

**श्री राज बब्बर :** अध्यक्ष महोदय, यह व्यवहार किया गया है।

MR. SPEAKER: You should not do like this. Shri Raj Babbar, please take your seat. There is a procedure to follow in the House.

**गृह मंत्री (श्री लाल कृण आड्वाणी ) :** अध्यक्ष जी, मैं आपको सूचित कर चुका हूं कि कल सुश्री माया्वती जी ने उत्तर प्रदेश के संदर्भ में वहां दलितों पर हुये अत्याचार के संबंध मे घटना का उल्लेख किया और मैंने उस कारण से आप्से अनुमति मांगी थी कि वक्तव्य देना चाहता हूं लेकिन यहां आने पर श्री मुलायम सिंह जी का वक्तव्य सुना और वह भी उत्तर प्रदेश के बारे में । उस घटना में एक सांसद को मारा गया, इसका उल्लेख था और दूसरा कुछ दिन पहले किसी कोर्ट ने कुछ लोगों को बरी कर दिया, यह कह कर कि उन्हें गलत पकड़ा गया था, इसका उल्लेख था। मैं इतना ही कह सकता हूं कि किसी सांसद के साथ कोई अत्याचार हो तो स्वाभाविक है कि संसद उसका नोटिस लेती है। जैसा कि बताया गया है वे राज्य सभा के सांसद है, इसके लिये वहां की विशेाधिकार समिति के पास मामले को भेज दिया गया है। अब मैं नहीं जानता कि विशेाधिकार समिति के पास मामला भेजे जाने के बाद क्या आप चाहेंगे कि मैं फिर भी बयान करूं क्योंकि वे दूसरे सदन के सदस्य हैं। यदि यहां कोई भी बयान करूंगा तो बिना उत्तर प्रदेश सरकार से पूछे हुये कोई बयान नहीं करूंगा। मैं उत्तर प्रदेश सरकार से यह जानकारी प्राप्त करूंगा कि क्या क्या हुआ और क्या यह सही है कि किसी कोर्ट ने आपके अधिकारी के बारे में कह दिया कि सार्वजनिक रूप से ज्यादती की है, उन्होंने गलत लोगों को पकड़ लिया और उनको बाद में छोड़ दिया? क्या आपके किसी पुलिस अधिकारी ने किसी सांसद को मारा है? ये सारी बातें उनसे पूछनी पड़ेगी। यदि आप चाहते है कि मैं यह बयान दूं तो क्या दूसरे सदन द्वारा मामला विशेाधिकार समिति को भेजा गया है, वह प्रभावित नहीं होगा? मैं तो उन लोगों का वर्शन सुनूंगा। मुझे स्वयं लगता है कि जब यह मसला एक सांसद से संबंधित है और उसका नोटिस दूसरे सदन ने लिया है तो मैं चाहूंगा कि दूसरे सदन की विशेाधिकार समिति को अपना कार्य करने देना चाहिये।

लेकिन आपका आदेश होगा तो मैं निश्चित रूप से इसकी जानकारी एकत्र करके कल वहां से आकर, इस बारे में बयान दूंगा। जैसा माया्वती जी के वक्तव्य के बारे में आज बयान देना चाहता हूं। I am willing to be guided by you. To me it appears that when the other House to which the hon. Member belongs has not only taken cognizance of the incident but has decided to refer it to the Privileges Committee, it is a serious matter. I think it would be appropriate if the Privileges Committee itself examines the matter thoroughly and takes whatever decision it wants to take. I am entirely in your hands on this issue. ...(*Interruptions*).

**श्री बलराम सिंह यादव (मैनपुरी) :** राज ब्बर जी ने यहां जो कुछ बताया, उसके बारे में बताइये।

â€¦( व्यवधान)

**श्री लाल कृण आड्वाणी :** राज जी ने जो दूसरी बात कही है, चूंकि यह दिल्ली की बात है, मैं उसके बारे मे जानकारी करके कल यहां आकर बयान दूंगा, वहां जो भी घटना हुई है।â€¦( व्यवधान)

**श्री जितेन्द्र प्रसाद (शाहजहांपुर) :** अध्यक्ष महोद्य, मैंने नोटिस दिया है। â€¦( व्यवधान)

SHRI L.K. ADVANI (GANDHI NAGAR): I am willing to be guided by you.

**श्री मुलायम सिंह यादव (सम्भल) :** हम आपको थोड़ा रोक रहे हैं। लेकिन विशेाधिकार समिति मे मामला जाने के बाद एक लम्बी प्रक्रिया है और इसमे तत्काल कार्य करने की आव्श्यकता है । अध्माय्क्ष महोद्य आप सरकार को निर्देश दे कि माननीय गृह मंत्री जी कल ही सदन को जानकारी दें।â€¦( व्यवधान)

**अध्यक्ष महोद्य :** मैंने आपको बता दिया कि हाउस कैसे चलना है। आप जीरो ऑवर को डिस्ट्र्ब कर रहे हैं। हमें जीरो ऑवर को पूरा करना है। जीरो ऑवर दो बजे शुरू करना है, यह ठीक है।

**श्री मुलायम सिंह यादव (सम्भल) :** अध्यक्ष महोद्य, आप सरकार को निर्देश दें कि गृह मंत्री जी कल मुजफ्फरनगर की घटना के बारे में सदन को अवगत करा दें, हमारा आप्से निवेदन है कि इस्से कोई प्रभाव नहीं होगा, विशेाधिकार समिति प्रभावित नहीं होगी। तथ्य बल्कि सामने आ जायेंगे तथा विशेाधिकार समिति को जानने का मौका मिलेगा कि सही तथ्य क्या है। इसलिए हम चाहते हैं कि आप सरकार को निर्देश दें कि गृह मंत्री जी कल हाउस में आकर बयान दें।

**श्री जितेन्द्र प्रसाद :** मैंने नोटिस दिया है, आपके पास मेरा नोटिस है।â€¦( व्यवधान)

MR. SPEAKER: This is another matter. I can allow only one person.

...(*Interruptions*)

SHRI BASU DEB ACHARIA (BANKURA): I have given notice.